C024

Total Pages : 4 Roll No. .....

MAHI-09

Peasant Movements in India (1818-1951)
भारत में किसान आन्दोलन (1818-1951)

M.A. History

2nd Year Examination, 2022 (June)

Time : 2 Hours] **Max. Marks : 80**

Note : This paper is of Eighty (80) marks divided into two (02) Sections A and B. Attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein.

नोट : यह प्रश्नपत्र अस्सी (80) अंकों का है जो दो (02) खण्डों क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

SECTION–A/(खण्ड-क)
(Long Answer Type Questions)/(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

Note : Section 'A' contains Five (05) long answer type questions of Twenty (20) marks each. Learners are required to answer any Two (02) questions only.

(2×20=40)

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए बीस (20) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. Critically examine the scope and nature of peasant movement in colonial India.

औपनिवेशिक भारत में किसान आन्दोलन के स्वरूप एवं प्रकृति का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए।

2. The changes that were brought in agrarian structure in India under British rule were mainly to fulfill colonial interests. How far do you agree with this statement? Discuss.

ब्रिटिश शासन के अधीन भारत की कृषि संरचना में लाए गए परिवर्तन मूलतः औपनिवेशिक हितों को पूरा करने के लिए थे। इस कथन से आप कहां तक सहमत हैं, व्याख्या कीजिए।

3. The Colonial rule directly intervened into the natural rights of the Tribal. Discuss the statement in the context of Santhal Revolt.

औपनिवेशिक शासन ने आदिवासी समाजों के प्राकृतिक अधिकारों में सीधा हस्तक्षेप किया। भारत में संथाल विद्रोह के संदर्भ में उक्त कथन की व्याख्या कीजिए।

4. Shed light on the establishment and expansion of *Akhil Bharatiya Kishan Sabha*. What role it played in highlighting the problems of Indian peasantry?

अखिल भारतीय किसान सभा की स्थापना तथा विस्तार पर प्रकाश डालिए। भारत में किसानों की समस्या को उजागर करने में इसने क्या भूमिका निभाई?

5. Critically examine the scope and nature of the Malaabar uprising of 1921.

1921 के मालावार विद्रोह के स्वरूप एवं प्रकृति का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए।

SECTION–B/(खण्ड-ख)
(Short Answer Type Questions)/(लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

Note : Section 'B' contains Eight (08) short answer type questions of Ten (10) marks each. Learners are required to answer any Four (04) questions only. (4×10=40)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए दस (10) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

Write a short note on any four of the following :

1. The Punnapra Vayalar movement.

पुन्नप्रा-वायलार आन्दोलन।

2. Establishment of the Imperial Agriculture Department in India.

भारत में इम्पीरियल कृषि विभाग की स्थापना।

3. The Bengal Tenancy Act.

बंगाल टेनेन्सी कानून।

4. Tebhaga movement.

तेभागा आन्दोलन।

5. Bardoli Satyagrah.

बारदोली सत्याग्रह।

6. Motilal Tejawat.

मोतीलाल तेजावत।

7. Akali Movement.

अकाली आन्दोलन।

8. Indigo movement.

नील आन्दोलन।